जब होवे, सच्चा प्यार, क्यों ना मिले कन्हैया

जब होवे सच्चा प्यार

कौन कहता है, दीदार नहीं होता।
आदमी खुद ही, तलबग़ार नहीं होता।
उनसे मिलना है तो, पहले प्रह्लाद बनो।
वर्ना यूँ ही, नर सिंह का, अवतार नहीं होता॥)

जब होवे, सच्चा प्यार, क्यों ना मिले कन्हैया ।
क्यों ना, मिले कन्हैया, क्यों ना मिले कन्हैया॥
जब मिले..जय हो ॥॥, तार से तार,
क्यों ना मिले कन्हैया।
जब होवे, सच्चा प्यार, क्यों ना...

चंचल मन को, तूँ समझा ले।
हरि चरणों में, प्रीत लगा ले॥
और मन से...जय हो ॥॥, तज अहंकार,
क्यों ना मिले कन्हैया,,,
जब होवे, सच्चा प्यार, क्यों ना...

वन में बैठी, शबरी माई।
राम नाम की, लगन लगाई॥
किए दरसन...जय हो ॥॥, अवध कुमार,
क्यों ना मिले कन्हैया..
जब होवे, सच्चा प्यार, क्यों ना...

पिता ने जब, प्रल्हाद सताया।
अपने प्रभु का, ध्यान लगाया॥
तब नर सिंह,,,जय हो ॥॥, लिया अवतार,
क्यों ना मिले कन्हैया..
जब होवे, सच्चा प्यार, क्यों ना...

दुर्योधन ने, जाल बिछाया।
अर्जुन शरण, कृष्ण की आया॥
बने सारथी..जय हो ॥॥ कृष्ण मुरार,
क्यों ना मिले कन्हैया,,,
जब होवे, सच्चा प्यार, क्यों ना...

जो तूँ भजन, करे दिन राती।
श्याम सुंदर, बन जाए साथी॥
तूँ शरण तो...जय हो ॥॥, आ इक बार,
क्यों ना मिले कन्हैया..

जब होवे, सच्चा प्यार, क्यो ना.....
अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34378/title/jab-hove-sacha-pyar--kyon-na-mile-kanhaiya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |